पंजाब केसरी
FRI,24 JULY 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 5

हिमाचल में किसी भी बोर्ड परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक नहीं हुआ : डॉ. राजेश

कहा-शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय पर राजनीति नहीं होनी चाहिए

धर्मशाला : प्रैस वार्ता के दौरान मीडिया को संबोधित करते हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा। (प्रियंका)

धर्मशाला, 23 जुलाई (प्रियंका): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बोर्ड परीक्षाओं के पेपर लीक होने संबंधी आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए कहा कि प्रदेश में किसी भी बोर्ड परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ है।

उन्होंने भाजपा नेताओं से तथ्यों के बिना भ्रामक बयानबाजी नहीं करने की अपील की। धर्मशाला में पत्रकारों से बातचीत के दौरान डॉ. शर्मा ने कहा कि नीट परीक्षा के कथित पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में विरोध हो रहा है, लेकिन हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड को इससे जोड़ना गलत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने भाजपा के जे.पी. नड्डा के कथित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हिमाचल बोर्ड के पेपर लीक होने का दावा तथ्यहीन है। साथ ही उन्होंने नीट मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की और केंद्रीय शिक्षा मंत्री से नैतिक आधार पर इस्तीफे की मांग भी दोहराई। ओपन स्कूल से जुड़े फर्जी प्रमाण पत्र मामले पर डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2017 से 2019 के दौरान संबंधित संस्थान को मान्यता मिली थी, लेकिन वर्तमान में उसका बोर्ड के प्रशासनिक या शैक्षणिक कार्यों से कोई संबंध नहीं है।

Divya Himachal 24-07-2026

राजेश शर्मा बोले, हिमाचल बोर्ड में कोई भी पेपर लीक नहीं हुआ

स्टाफ रिपोर्टर- धर्मशाला

राजेश शर्मा

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने कहा कि नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के मामले को लेकर देशभर में छात्रों और अभिभावकों में भारी रोष है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों के हित में आवाज उठाने पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों के साथ सख्ती बरती गई। डा. शर्मा ने कहा कि भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के प्रश्नपत्र लीक होने संबंधी दिए गए बयान तथ्यहीन हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल में किसी भी प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ है। ऐसे में भाजपा नेताओं को जनता के बीच भ्रामक जानकारी फैलाने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए शिक्षा जैसी संवेदनशील व्यवस्था को विवादों में नहीं घसीटना चाहिए। उन्होंने नीट प्रश्न पत्र लीक मामले में मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

जेपी नड्डा पर साधा निशाना

डा. राजेश शर्मा ने कहा कि केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के पिता खुद शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष का जिम्मा संभाल चुके हैं, ऐसे में उनकी ओर से ऐसी बयानबाजी समझ से परे है।

दिव्य हिमाचल
Divya Himachal Dharamsala+
Mera Kangra +Aastha
Fri, 24 July 2026

10 हजार में बिक रही थीं प्रदेश शिक्षा बोर्ड की फर्जी मार्कशीट, दिल्ली पुलिस ने इंटर स्टेट गिरोह पकड़ा

बोर्ड बोला- हमारा काम सिर्फ परीक्षा कराना और प्रमाण पत्र देना, फर्जीवाड़े पर होगी सख्त कार्रवाई

भास्कर न्यूज | धर्मशाला

दिल्ली पुलिस के स्पेशल स्टाफ ने हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं कक्षा की फर्जी मार्कशीट तैयार कर बेचने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना शबाब आलम समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से फर्जी मार्कशीट, लैपटॉप, प्रिंटर और अन्य उपकरण बरामद किए हैं।

जांच में सामने आया है कि गिरोह महज 10 हजार रुपए लेकर किसी भी व्यक्ति के नाम से फर्जी मार्कशीट तैयार कर देता था। पुलिस के अनुसार गिरोह वर्ष 2019 से सक्रिय था। गुप्त सूचना मिलने पर स्पेशल स्टाफ ने जीटी रोड शाहदरा स्थित विकास मॉल के पास जाल बिछाकर पहले आरोपी नवनीत त्यागी को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर गिरोह के सरगना शबाब आलम और उसके साथी फरीद को भी दबोच लिया। जांच में खुलासा हुआ कि शबाब आलम ने वर्ष 2017 में हिमाचल प्रदेश में एक शैक्षणिक संस्थान खोलकर स्कूल शिक्षा बोर्ड से पंजीकरण कराया था। बाद में अनियमितताएं पाए जाने पर बोर्ड ने उसका पंजीकरण रद्द कर दिया। इसके बाद उसने एनसीआर में फर्जी मार्कशीट तैयार करने का नेटवर्क खड़ा कर लिया और बेरोजगार युवाओं को नौकरी दिलाने के नाम पर 10-10 हजार रुपए लेकर नकली प्रमाणपत्र बेचने लगा। पुलिस के अनुसार इन फर्जी प्रमाणपत्रों का इस्तेमाल मुख्य रूप से सुरक्षा गार्ड, ऑफिस सहायक और अन्य ऐसी नौकरियों में किया जाता था, जहां न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं या 12वीं पास होना अनिवार्य होती है।

प्रमाणपत्र की पुष्टि बोर्ड से कराएं: शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा कहा कि यदि बोर्ड के संज्ञान में बोर्ड के नाम पर फर्जी मार्कशीट बनाने या किसी भी प्रकार की अनियमितता का मामला आता है, तो संबंधित व्यक्ति या गिरोह के खिलाफ कानून के तहत सख्त से सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने अभ्यर्थियों और नियुक्ति करने वाले संस्थानों से अपील की कि किसी भी प्रमाणपत्र की प्रामाणिकता की पुष्टि स्कूल शिक्षा बोर्ड से अवश्य कराएं, ताकि फर्जीवाड़े पर अंकुश लगाया जा सके।

बोर्ड अध्यक्ष बोले- ऐसी गतिविधियों में बोर्ड की कोई संलिप्तता नहीं : मामले के सामने आने के बाद हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने प्रेसवार्ता में स्पष्ट किया कि बोर्ड की भूमिका केवल छात्रों का नामांकन (एनरोलमेंट), परीक्षाओं का आयोजन और सफल अभ्यर्थियों को प्रमाणपत्र जारी करने तक सीमित है। उन्होंने कहा कि बोर्ड की किसी भी बाहरी संस्थान या इस प्रकार की गतिविधि में कोई सीधी संलिप्तता नहीं होती। डॉ. शर्मा ने कहा कि हमारा इस प्रकार के किसी भी मामले से कोई लेना-देना नहीं है। बोर्ड केवल नामांकन करता है, परीक्षा आयोजित करता है और सफल विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र जारी करता है। हमारे रिकॉर्ड में केवल वही छात्र हैं, जिन्होंने बोर्ड से विधिवत परीक्षा उत्तीर्ण की है और हम केवल उन्हीं प्रमाणपत्रों की सत्यता की पुष्टि करते हैं।

Dainik Jagran
24-07-2026

डा. राजेश शर्मा बोले-शिक्षा बोर्ड का नहीं हुआ कोई पेपर लीक

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के बयान को तथ्यहीन करार दिया कहा-राजनीति से परे है हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने नीट के प्रश्नपत्र लीक होने के मामले पर देशभर में विद्यार्थियों और अभिभावकों के रोष को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के हित में आवाज उठाने पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों के साथ सख्ती बरती गई। उन्होंने जंतरमंतर पर 17 और 18 साल के बच्चों पर लाठीचार्ज का आरोप लगाया। डा. शर्मा ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के बयान को तथ्यहीन बताया है। नड्डा ने कहा था कि हिमाचल प्रदेश में पेपर लीक हुआ है।

डा. शर्मा ने याद दिलाया कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड राजनीति से परे है और नड्डा के पिता भी बोर्ड के अध्यक्ष रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि 1992 में जब नड्डा के पिता अध्यक्ष बने थे, तब भाजपा की सरकार थी, लेकिन कांग्रेस ने बोर्ड को राजनीति से दूर रखा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि हिमाचल में किसी भी बोर्ड परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ है और भाजपा नेताओं को जनता के बीच भ्रामक जानकारी फैलाने से बचना चाहिए। डा. शर्मा ने पूर्व भाजपा सरकार के समय में पुलिस भर्ती परीक्षा में अनियमितताओं का भी उल्लेख किया और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में नई व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने नीट प्रश्नपत्र लीक मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की और शिक्षा मंत्री से नैतिक आधार पर इस्तीफा देने की अपील की। इसके अलावा, डा. शर्मा ने बाहरी राज्य में ओपन स्कूल के फर्जी सर्टिफिकेट मामले में भी स्पष्टीकरण दिया कि 2017 से 2019 के दौरान ओपन स्कूल ने मान्यता ली थी, लेकिन अब उनका बोर्ड से कोई संबंध नहीं है।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ● जागरण

Board Has No Connection to Fake Marksheet Fraud: Dr. Rajesh Sharma

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA JUL 23 : The Special Staff of the Delhi Police has busted an interstate gang involved in the creation and sale of fake Class 10 and 12 marksheets of the Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE). However, addressing a press conference regarding the matter, HPBOSE Chairman Dr. Rajesh Sharma clarified that the Board's role is limited to enrolling students, conducting examinations, and issuing certificates to successful candidates. He denied any involvement of the Board in such fraudulent activities. Dr. Sharma stated, "Our role is limited to enrolling students, conducting examinations, and issuing certificates to successful candidates. The Board has no direct involvement with any institution or activity beyond this. We maintain records only for those students who have duly registered with the Board and passed the examination." He clarified that if any individual or gang fabricates marksheets in the Board's name or engages in any form of fraud—and the matter comes to the Board's attention—the strictest punitive action will be taken against the perpetrators. He also urged government and private institutions to verify candidates' certificates with the Board during the recruitment process to prevent attempts to secure employment using forged documents. Meanwhile, the police have arrested three accused individuals, including the gang's ringleader, Shabab Alam. Preliminary investigations revealed that the gang would produce a forged marksheet in anyone's name for a mere ₹10,000. The police first arrested the accused Navneet Tyagi after laying a trap near Vikas Mall on GT Road, Shahdara. Acting on information provided by him, they subsequently apprehended the gang's ringleader, Shabab Alam, and his associate, Farid. Forged marksheets, a laptop, a printer, and other equipment were recovered from the accused. Interrogation revealed that Shabab Alam had opened an educational institution in Himachal Pradesh in 2017, which was registered with the School Education Board; however, the Board cancelled the registration after irregularities were discovered. Subsequently, starting in 2019, he established a network in the NCR region to produce and sell forged marksheets. The gang primarily targeted candidates seeking jobs such as security guards, office assistants, and other roles requiring a 10th or 12th-grade qualification.

JULY 24, 2026 FRIDAY DHARAMSHALA

The Sunny Times

HP BOARD CHIEF SETS RECORD STRAIGHT AGAINST JP NADDA, CITES NADDA'S FATHER'S LEGACY IN DEFENSE

Sunny Mahajan | Dharamshala

Public anger and student fury have boiled over across the nation following the massive NEET paper leak scandal, sparking an intense political firestorm. The controversy escalated drastically after police launched a harsh crackdown at Delhi's Jantar Mantar, beating and dragging peaceful teenage protesters who had gathered to demand justice. Amid growing calls for accountability, Himachal Pradesh School Education Board Chairman Dr. Rajesh Sharma launched a scathing attack on the central government and BJP National President JP Nadda during a high-stakes press conference in Dharamshala.

Dr. Rajesh Sharma did not pull any punches, accusing the ruling administration of choosing cover-ups and deception over accepting its failures and comforting traumatized students. Addressing JP Nadda directly, he issued a sharp reality check regarding false allegations leveled against the state education board. He reminded Nadda that his own father, NL Nadda, served as the chairman of this very board from September 1992 to September 1995. Even when Congress came to power in 1993, they kept his father in office out of respect for his status as an educator, proving that Congress keeps education far above petty political games.

The press meet highlighted Congress leaders Rahul Gandhi and Priyanka Gandhi as unyielding champions of truth who refuse to back down. Recalling history, it was noted that when the 2G spectrum allegations surfaced back in 2012-13 during the Congress-led central government, Rahul Gandhi himself demanded strict action despite his own party being in power. Today, when leaders stand up for young kids getting beaten on the streets, the government simply arrests them, exposing a dictatorial mindset that fears the truth.

Drawing a sharp contrast with Himachal Pradesh, Dr. Sharma pointed out that the moment Chief Minister Sukhvinder Singh Sukhu took charge in 2022, he systematically dismantled the corruption left behind by the previous BJP rule. Sukhu took swift action against the notorious Police and JOA IT recruitment paper leaks by immediately scrapping the compromised Hamirpur Selection Commission and setting up a transparent State Selection Commission to safeguard youth careers.

Dr. Sharma demanded the immediate resignation of Union Education Minister Dharmendra Pradhan and insisted that the government stop running away from a full Parliament debate on the NEET leak. Advising JP Nadda to get his facts straight instead of tarnishing his home state's prestigious board, he made it clear that the people of Himachal Pradesh will not sit back and tolerate misleading statements about their institutions.